

25 दिन बाद मोरटका पुल पर प्रारंभ हुआ सभी तरह के वाहनों का आवागमन



बड़वाह-हिमांशु जैन

मोरटका पुल पर शनिवार से हल्के वाहनों के आवागमन के बाद रविवार से भारी वाहनों का आवागमन भी शुरू कर दिया गया है। एसजीएसआईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा कि गई लोड टेस्टिंग के बाद एनएचएआई को इसकी रिपोर्ट दी गई। रिपोर्ट मिलने के बाद एनएचएआई द्वारा स्थानीय प्रशासन को अवगत कराते हुए बताया गया कि कुछ शर्तों के आधार पर अब इस पुल से भारी वाहनों का आवागमन शुरू किया जा सकता है। एनएचएआई द्वारा स्थानीय प्रशासन को अवगत कराया गया है कि यहां से 70 टन लोड तक के वजन वाले वाहनों का ही आवागमन कराया जाए। इसके साथ ही पुल पर वाहन की गति तीस किमी प्रति घंटे से ज्यादा की नहीं होना चाहिए, वहीं पुल पर किसी भी तरह के ओवरटेक को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। रैलिंग का आईआरसी के नियमानुसार प्रायर मेंटेनेंस होना चाहिए। इसके साथ ही अन्य कई शर्तों के साथ पुल पर आवागमन शुरू किया गया है। भारी वाहनों के लिए तकरीबन एक माह से बंद इस पुल पर बीते माह की 27 तारीख को यहां रिपेयरिंग के बाद लोड टेस्टिंग का निर्णय लिया गया था। पुल पर मरम्मत एवं लोड टेस्टिंग के बाद शनिवार से हल्के एवं इसके बाद रविवार से भारी वाहनों का आवागमन शुरू कराया गया।

लोड टेस्ट की रिपोर्ट के आधार पर लिया फैसला

जल स्तर बढ़ने के बाद यहां पिलरों में दिखी दरार के बाद एसजीएसआईटीएस की टीम द्वारा निर्णय लिया गया था कि इस पुल पर मरम्मत के साथ ही इस पुल का लोड टेस्ट किया जाना चाहिए। 27 अगस्त को संस्थान द्वारा लोड टेस्ट की सिफारिश के बाद से इसकी मरम्मत कराई गई। इसके बाद गुरुवार एवं शुक्रवार को पुल पर लोड टेस्ट किया गया। लोड टेस्टिंग की रिपोर्ट आने के बाद शनिवार से यहां हल्के वाहनों को निकलने की अनुमति दे दी गई। इसी दिन इसके भारी वाहनों को निकलने की रिपोर्ट भी तैयार कर पहले एनएचएआई एवं उसके बाद स्थानीय प्रशासन को इस निर्णय से अवगत कराया गया। जिसके बाद अब यहां से शर्तों के अनुसार भारी वाहनों के आवागमन को शुरू करा दिया गया है।

16 अगस्त से बंद था आवागमन

बीते माह ओंकारेश्वर बांध के गेटों को खोलने के बाद नावघाटखेड़ी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा था। खतरे के निशान के पास पानी पहुंचने के चलते इस मोरटका पुल से सभी तरह के वाहनों के आवागमन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके बाद हल्के वाहनों को एकाइकट पुल से डायवर्ट कर निकाला जा रहा था। जल स्तर घटने के बाद यहां पिलरों में दरार देखी गई थी। दरार की सूचना मिलने के बाद अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया था। पहले तो यहां हल्के वाहनों को अनुमति दे दी गई लेकिन बाद में एसजीएसआईटीएस द्वारा पिलर देखने के बाद इस बात कि सिफारिश की गई कि यहां एक बार लोड टेस्टिंग जरूर की जानी चाहिए। लोड टेस्टिंग के बाद इसे अब एक बार फिर लंबे समय बाद वापस से चालू कराया गया।

पहले गाय को पाला, दूध पीया, अब सड़क पर लावारिस छोड़ रहे हैं गो पालक...



करही। एक ओर हम गाय को माता का दर्जा देते हैं वहीं ऐसे हालत में जब पूरे प्रदेश में गोमाता पर लम्पी वायरस का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है एवं अनेक गोवंश लम्पी वायरस से ग्रसित भी हाते जा रहे हैं ऐसे में गाय को पालने वाले गोपालक भाईयों को चाहिये कि गोमाता की सच्ची सेवा इस विपत्ति में उनके प्राण बचाना है न कि केवल दूध निकालकर उससे पैसा कमाना और फिर लावारिस छोड़कर उनके जीवन को संकट में डालना।

ऐसे में प्रत्येक हिन्दू भाईयों एवं खासकर गोपालकों का दायित्व है कि वे अपने अपने गोवंश को अपने घरों में बांधकर रखे साथ ही उन्हे लम्पी वायरस का टीका लगाकर उनके जीवन को सुरक्षित करें। विगत एक माह से करही नगर की सड़कों पर भी 25 से अधिक गायें घूम रही हैं लेकिन ये गायें कहां से आई हैं और इन्हे रात के अंधेरे में कौन छोड़ कर गया इसका भी पता नहीं है। हालांकि इन गायों को नगर परिषद द्वारा स्थानीय गो शाला में भिजवाने के लिए कर्मचारियों को निर्देशित भी कर दिया है।

गो पालकों द्वारा नर्मदा नहर के रास्ते नगर में कोई ना कोई वाहन रात्रि में आकर गायों को छोड़ कर जा रहा है।

गत एक माह में नगर की जनता कालोनी से आखीप तक करीब 25 से अधिक गाय नगर की सड़कों पर घूम रही हैं जिसके लिए। इसके बाद स्थानीय रहवासियों ने गायों को स्थानीय श्री कृष्ण जीवन गोशाला में भेजने के लिए नगर परिषद से मांग की थी जिस पर परिषद अध्यक्ष नंद किशोर खंडेकर, उपाध्यक्ष महेश आसवानी, सी एम ओ चुनौलाल जूनवाल ने गंभीरता दिखाते हुए परिषद के कर्मचारियों को गायों को गो शाला में छोड़ने सम्बन्धी निर्देश दिए साथ ही गो शाला प्रबन्धन को भी पत्र के माध्यम अवगत कराया गया।

परिषद उपाध्यक्ष महेश आसवानी ने बताया नगर में कौन लोग गायों को छोड़कर जा रहे हैं इसकी जानकारी जुटाई जा रही है साथ ही जो गाय सड़क पर घूम रही हैं उन्हें गोशाला में छोड़ने के लिए कर्मचारियों को निर्देशित कर दिया है एक दो दिन में कार्य शुरू हो जाएगा।

सावधान : गौमाता अब खतरे में

बड़वाह में भी आठ गौमाता एवं दो बैलों पर लम्पी वायरस का अटैक

इंजीनियर हिमांशु जैन द्वारा अब तक 150 गोवंश का टीकाकरण

बड़वाह - राजस्थान में हजारों गायों की जान लेने वाले खतरनाक लम्पी वायरस का अटैक अब खरगोन जिले में ही नहीं बल्कि बड़वाह शहर एवं आसपास में भी होने लगा है। यह समय उन सभी लोगों के लिये चुनौती एवं परीक्षा से कम नहीं है जो अपने आपको गो सेवक एवं गोभक्त कहा करते हैं। गोसेवा के नाम पर राजनीति करने वाले राजनैतिक दलों के लिये भी यह समय गो माता के प्राण बचाने एवं उन्हे सुरक्षित करने के लिये दुर्लभ अवसर है।

पशु चिकित्सालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़वाह ब्लॉक के 48 गांवों में अब तक 10 गोवंशों में लम्पी वायरस के लक्षण मिले हैं, जिनमें से 8 गाय हैं और 2 बैल हैं। अकेले बड़वाह शहर में 3 गांवों में



पशु चिकित्सक डॉ. किशन सेटा, डॉ.डी.एस. मंडलोई, डॉ.सेते एवं डॉ.बघेल का पूरा सहयोग मिल रहा है।

इसके साथ ही खडेलवाल सर भी अब टीकाकरण के कार्य में आगे आये हैं। इंजीनियर हिमांशु जैन के साथ वे लगातार बाजार में बेटी एवं घूम रही गायों का टीकाकरण कर रहे हैं। अब तक श्री कंवर कालोनी, काटकूट रोड, नर्मदा मार्ग, नर्मदा के उत्तर तटों के आश्रमों स्थित गोशालाओं में टीकाकरण किया गया है।

नगरपालिका अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता के करकमलों से हुआ टीकाकरण का शुभारंभ



विगत दिनों बड़वाह में श्री कंवर कालोनी में इंजीनियर श्री हिमांशु जैन के सोजना से नगरपालिका अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता के करकमलों से गायों के टीकाकरण की शुरुआत हुई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष श्री राजेश जायसवाल, पार्षद श्री रूपसिंह रावत, पार्षद पति श्री अनिल कानूनगो एवं पार्षद श्री बबलू चौरसिया, गोसेवक सोनली जी एवं गोलू अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल थे। नगर पालिका कर्मचारियों एवं स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों ने इस नेक काम का शुभारंभ किया।

श्री हिमांशु जैन ने आम नागरिकों एवं समाज सेवियों से अपील की है कि सभी गोभक्त गोमाताओं के जीवन पर आये इस महासंकट की घड़ी में आगे आएं और गो सेवा का अनुपम लाभ लेकर उन्हे रक्षा कवच उपलब्ध करावें।

सनावद में सट्टा रैकेट पकड़ाया : 15 आरोपी गिरफ्तार, 3 फरार, 57 हजार नकदी सहित 50 हजार के मोबाइल जब्त

सनावद- जुआ व सट्टे के अवैध संचालन पर रोक लगाने के लिए पुलिस के वरिष्ठ अफसरों के निर्देशानुसार सनावद क्षेत्र के दो स्थानों पर सनावद व बड़वाह की अनुभाग की टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर अवैध सट्टा खेलने व खिलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

एसडीओपी विनोद दीक्षित व थाना प्रभारी एमआर रोमडे के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए 2 स्थानों पर कार्रवाई करते हुए भील मोहल्ले में अवैध रूप से सट्टा संचालित करने वाले हफीज सफी खान व कासिम हफीज खान निवासी इस्लामपुरा व शहजान नफीस खान निवासी अंबेडकर गली को सट्टा डायरी व सगद राशि के साथ पकड़ा।

पूछताछ में उन्हे बताया कि ताहिर बैग के लिए 500 रूपए प्रतिदिन की मजदूरी पर सट्टा लिखते हैं। पुलिस ने इन लोगों के पास सट्टा लगाने आए 8 लोगों को गिरफ्तार कर प्रकरण पंजीबद्ध किया। प्रकरण के फरार आरोपी ताहिर बैग की तलाश की जा रही है।

इसी प्रकार सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मिर्जा मोहल्ले में अवैध सट्टा संचालन कर रहे आरिफ यासीन बेग को पकड़ा।

उसके पास से सट्टा सामग्री व नगदी जब्त की गई। सट्टा लिखने के संबंध में पूछताछ में उसने बताया कि वह राजिक बैग शरीफ बैग इस्लामपुरा व सुरेश सेट निवासी ओंकारेश्वर के लिए 500 रूपए प्रतिदिन की मजदूरी पर सट्टा लिखते हैं। वहां पर सट्टा पचीं ले रहे 3 लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से सट्टा पचीं व नगदी जब्त करते हुए कार्रवाई की गई। प्रकरण के फरार आरोपी राजिक व सुरेश की तलाश की जा रही है।

हफीज सफी खान, निवासी सनावद, कासिम हफीज खान निवासी सनावद, शहजान नफीस खान निवासी सनावद, आसिफ हाफिज खान निवासी सनावद, शेख इफ्रान खान निवासी सनावद, महेश खुशाल निवासी खनागांव खेडी, सतोष श्रवण निवासी साला, हरचंद पिता गोपाल काठीबैडी सनावद, रघुनाथ नारायण निवासी काठीबैडी सनावद, बबलू शंकर सेन निवासी भानभरड़, सागर मोहनलाल मोघडी कालोनी, रियाज शरीफ बेग सनावद, शिवराम नल्यु दवाडे बोधगांव, गोपाल रविशंकर सनावद, आरिफ यासीन बेग सनावद।

फरार आरोपियों के नाम राजिक बैग पिता शरीफ बैग निवासी इस्लामपुरा, ताहिर पिता गम्मु बैग, सुरेश सेट निवासी ओंकारेश्वर।

मिर्च पर वायरस का अटैक, खेतों में खड़े-खड़े सूख रही फसल, बैड़िया मंडी में 205 रु. तक पहुंचा भाव

बैड़िया - राजेन्द्र नाम देव

खाने का जायका बढ़ाने वाली लाल मिर्च अब आपके किचन का बजट बिगाड सकती है। मालवा-निमाड में मिर्च की फसल पर क्वाइट फ्लाई वायरस (सफेद मक्खी) ने अटैक कर दिया है। इससे फसल को 50 प्रतिशत से ज्यादा नुकसान हो चुका है। इससे आने वाले दिनों में मिर्च के भाव 250 रूपए किलो से भी ऊपर तक जा सकते हैं।

मिर्च के सबसे बड़े उत्पादक राज्य आंध्रप्रदेश में भी पैदावार पर असर की खबरें आ रही हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश में पैदावार और घटती है तो मालवा-निमाड छोड़कर दूसरे इलाकों के लिए बाहरी राज्यों से मिर्च मंगाना पड़ेगी। थोक कारोबारियों का कहना है कि ट्रांसपोर्टेशन और दूसरे चार्जेंस जुड़ने से लाल मिर्च का महंगा होना लगभग तय है।

मालवा-निमाड के मिर्च उत्पादक किसानों का कहना है कि पिछले साल बेमौसम बारिश की वजह से फसल खराब हो गई थी। इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन वायरस के अटैक से पौधे उखाड़कर फेंकना पड़ गया। जिस फसल पर वायरस का अटैक नहीं है, उसे बचाने के लिए ऐसा करना जरूरी है।



नई मिर्च आ रही, लेकिन आवक कम

मिर्च उत्पादक किसान अनिल पाठन, मिश्रीलाल छलौत्रा और नलू शाह का कहना है कि सफेद मक्खी के अलावा हरी इल्ली लगने की वजह से भी मिर्च के पौधे बड़े नहीं हो पा रहे हैं। फल आए तो साइज छोटा रह गया। मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी मिर्च मंडी बैड़िया (जिला खरगोन) में नई मिर्च आने लगी है, लेकिन आवक कम है। एमपी की ई-मंडी की रिपोर्ट के अनुसार 12 अगस्त से 7 सितंबर तक मध्यप्रदेश की मंडियों में किसान सिर्फ 1600 क्विंटल हरी मिर्च लेकर पहुंचे थे, वहीं 9 से 15 सितंबर के बीच 913 क्विंटल आवक हुई।

बैड़िया मंडी में भाव 205 रु तक पहुंचा

सबसे ज्यादा आवक बैड़िया मंडी में हो रही है और 15 सितंबर को यहां अधिकतम भाव 20 हजार 500 रूपए क्विंटल रहा। बैड़िया मंडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष समर्थ बिरला ने बताया कि बैड़िया एशिया में दूसरे नंबर की मिर्च मंडी है। निमाड की अच्छी क्वालिटी की मिर्च यहां से देश और विदेश तक भेजी जाती है। कम पैदावार की वजह से इस साल मिर्च का भाव 200 से 250 रूपए किलो तक रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदीजी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर एवं करोड़ों के विकास कार्यों का भूमिपूजन



बड़वाह - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इस तारतम्य में सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, विधायक सचिन बिरला, नपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल ने शासकीय अस्पताल में रक्तदान शिविर में शिरकत की और रक्त दाताओं की हौसला अफजाई की और दूसरों की प्राण रक्षा के लिए रक्त दान की भूरी-भूरी प्रशंसा की। रक्तदान शिविर में नपाध्यक्ष राकेश गुप्ता और भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह तोमर ने रक्तदान किया। सांसद ने कहा कि अपना रक्त देकर दूसरों के प्राण बचाना बड़े पुण्य का कार्य है। नपाध्यक्ष गुप्ता ने शासकीय अस्पताल में ब्लड बैंक की आवश्यकता बताते हुए कहा कि बड़वाह में ब्लड बैंक स्थापित होने से गंभीर घायलों व रोगियों की प्राण रक्षा हो सकेगी। सांसद और विधायक ने कहा कि ब्लड बैंक की स्थापना के लिए उच्चस्तरीय प्रयास किए जा रहे हैं। ब्लड बैंक की आवश्यकता के बारे में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी को अवगत किया गया है।

सिरलाय पीएचई में 378 लाख की जल जीवन मिशन योजना का हुवा भूमिपूजन।



शाम 5 बजे सांसद व विधायक ने ग्राम सिरलाय में स्थित पीएचई कार्यालय में 378 लाख रूपए की लागत से होने वाले जल जीवन मिशन के तहत नल-जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन किया गया। इस योजना के पूर्ण होने के बाद पूरे क्षेत्र के प्रत्येक घर में नर्मदा जी के पेयजल का वितरण हो सकेगा। ग्राम पंचायत के सरपंच श्री राजकुमार वर्मा ने कहा कि हम सरकार के प्रति कृतज्ञ हैं कि शासन द्वारा सिरलाय क्षेत्र के लिये यह बहुयोगी एवं जनकल्याणकारी योजना की सौगात मिली। इस अवसर पर मौजूद सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटील एवं विधायक सचिन बिरला ने भी इस योजना से पूरे क्षेत्र में नर्मदा जी का स्वच्छ एवं पवित्र जल की आपूर्ति की जा सकेगी।

मंडी में हुआ हितग्राही हितलाभ स्वीकृति वितरण का आयोजन

इसके पश्चात जनप्रतिनिधियों ने अनाज मंडी में हितग्राही हितलाभ स्वीकृति वितरण कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के हितग्राहियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। व कार्यक्रम के अंत में नेताओं द्वारा मंडी परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री महिम उक्वर, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश साद, जनपद उपाध्यक्ष वीरेंद्र माले लक्ष्मण काग, रमेश बिरला, रवि एरन, रोमेश विजयवर्गीय, यश चौरसिया, स्वाति वर्मा, सुरेश वर्मा, अनोकचंद मंडलोई, दिलीप पटेल, सहित बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

नपा अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने बच्चों की स्कूल फीस भरने के लिए दिए पांच हजार रूपए, हो रही है वाहवाही

बड़वाह। नगर पालिका

के अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने सहृदयता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। विगत वर्ष में नपा कर्मचारी मुगेन्द्र रावत की आकस्मिक मृत्यु हो गई थी जिस कारण उसकी पत्नी और बच्चे दयनीय एवं आर्थिक परेशानी वाला जीवन व्यतीत कर रहे थे, अनेकों बार नगर पालिका के चक्कर लगाकर अनुकम्पा नियुक्ति की गुहार की किन्तु उनकी स्थिति पर किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। नव निर्वाचित परिषद के बाद भाजपा के न.पा. अध्यक्ष के रूप में

राकेश गुप्ता काबीज हुए तो मुगेन्द्र रावत की पत्नी अपने बच्चों को वार्ड नं के पार्षद रूपसिंह रावत के साथ अपनी समस्या और अनुकम्पा नियुक्ति के लिये नपा अध्यक्ष राकेश गुप्ता के पास पहुंची और अपनी पारिवारिक परिस्थिति बताई क्या कहा कि बच्चों की स्कूल फीस भरने की परेशानी है तो तुरन्त गुप्ता ने अपनी जेब से 5000/- रूपये निकालकर बच्चों की शिक्षा को सुचारू रूप से जारी रखने तथा उनकी अनुकम्पा नियुक्ति हेतु शासन से निर्देश प्राप्त कर शीघ्र समस्या का समाधान करने के लिये आक्षेप किया। उनके इस कार्य की राजू राठौर, सुरेन्द्र पण्ड्या, संजय जैन, दिपेश विजयवर्गीय, लक्ष्मीचंद मई, संजय जैन (एलआईसी), यश चौरसिया ने उनके इस कार्य की सराहना की।

एकल अभियान छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा के माध्यम से बना रहा आत्मनिर्भर

करही - एकल ग्रामोत्थान संस्था द्वारा सम्पूर्ण भारत में हजारों केंद्रों के माध्यम से छात्र छात्राओं सहित महिलाओं को विभिन्न प्रकार की निःशुल्क शिक्षा व व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से करही व बोध्यापुरा केन्द्र पर आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है।